आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 01.11.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा – सरकार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों के विकास के मंत्र पर चल रही है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज रुद्रप्रयाग जिले के भौंर गांव में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। कहा– सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और राहत कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध।
- राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर तीन और चार नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सत्र को संबोधित करेंगी।
- उत्तराखंड का लोकपर्व इगास–बग्वाल आज पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जा रहा है।

पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि केंद्र सरकार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों के विकास के मंत्र पर चल रही है। प्रधानमंत्री ने आज छत्तीसगढ़ में विभिन्न योजनाओं के लोकपर्ण और शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज समग्र राष्ट्र विकास के साथ–साथ अपने विरासत के संरक्षण में लगा है।

नवनिर्मित ब्रह्मा कुमारी ध्यान केंद्र में "शांति शिखर" का उद्घाटन करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत ने जियोपॉलिटिकल सीमाओं से परे, पूरी मानवता के कल्याण के लिए मिशन लाइफ की शुरुआत की है।

सीएम रुद्रप्रयाग

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकपर्व इगास के अवसर पर आज रुद्रप्रयाग जिले के भौंर गांव में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनके अनुभवों तथा समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और राहत कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रभावित परिवारों को समयबद्ध राहत सहायता प्रदान करने और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

विशेष सत्र

उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह के तहत तीन और चार नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र प्रस्तावित है। दो दिवसीय इस विशेष सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी 'भूषण' ने आज राजभवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह से भेंट कर उन्हें विशेष सत्र में प्रतिभाग करने के लिए आमंत्रित किया।

इस बीच, विधानसभा में विशेष सत्र की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। खेल मंत्री रेखा आर्य ने सत्र की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज विधानसभा भवन स्थित सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

वहीं, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने देहरादून स्थित एफआरआई में 09 नवम्बर को आयोजित होने वाले उत्तराखंड रजत जयंती समारोह के मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने नौ नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद करने के निर्देश दिए।

श्री बर्द्धन ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए यातायात और पार्किंग योजना को वृहद स्तर पर तैयार करने पर जोर दिया, ताकि आमजन कार्यक्रम में सुगमता से पहुंच सकें और शहर के यातायात में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो।

स्थापना दिवस

देहरादून स्थित राजभवन में आज आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पुडुचेरी, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान इन राज्यों के उत्तराखण्ड में निवास कर रहे लोगों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए राज्यपाल गुरमीत सिंह ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के स्थापना दिवसों को मनाए जाने की इस पहल से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' विचारधारा से प्रेरित यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता की भावना, आपसी समझ और सम्मान की भावना को बढ़ाता है।

इगास बग्वाल

उत्तराखंड का लोकपर्व इगास–बग्वाल आज पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इगास, दीपावली के 11वें दिन एकादशी को मनाया जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में इगास–बग्वाल मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। राज्यपाल गुरमीत सिंह, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को इगास पर्व (बूढ़ी दीपावली) की शुभकामनाएँ दी हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, आस्था और लोकजीवन की आत्मा का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से अपनी लोकपरंपराओं और समृद्ध लोकसंस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इगास पर घरों में विभिन्न पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं, जबकि रात में ढोल–दमाऊ की थाप पर नृत्य करते हुए बच्चे, बूढ़े, महिलाएँ और पुरुष भैलो खेलकर खुशियाँ मनाते हैं।

देवउठनी एकादशी

आज देवउठनी एकादशी व्रतपर्व है, जिसे देव प्रबोधिनी एकादशी, देवउठावनी एकादशी या हरि प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि आयोजित इस पर्व के अवसर पर जगह जगह भगवान श्री हरि विष्णु की आराधना पूजा पाठ व व्रत किया जा रहा है। चम्पावत जिले के विभिन्न स्थानों में भी यह पर्व भक्तिभाव से मनाया गया। देव उठनी एकादशी के बारे में पंडित प्रकाश कृष्ण शास्त्री ने बताया कि देव उठनी एकादशी का व्रत करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

झील

चमोली जिले के जोशीमठ ब्लॉक के तपोवन क्षेत्र में धोली गंगा पर झील बनने के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर एक टीम को तपोवन क्षेत्र में झील का आकलन करने के लिए भेजा गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि स्थिति सामान्य है और मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि झील से पानी का रिसाव जारी है, जिसके चलते स्थिति सामान्य बनी हुई है।

दीक्षांत समारोह

पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारहवें दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। दीक्षांत समारोह का आयोजन दिसंबर माह में किया जाना प्रस्तावित है।

अधिसूचना में बताया गया है कि दीक्षांत समारोह के लिए छात्र–छात्राएं 03 नवंबर से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 नवंबर निर्धारित की गई है।

प्रोफेसर ढोड़ी ने बताया कि गढ़वाल विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों के शैक्षणिक सत्र 2023–24 और 2024–25 में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र–छात्राओं को ही उपाधि प्रदान की जाएगी।